



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

22 भाद्र, 1946 (श०)

संख्या - 594 राँची, शुक्रवार,

13 सितम्बर, 2024 (ई०)

उद्योग विभाग

संकल्प

13 सितम्बर, 2024

विषय:- राज्य में डोकरा, लाह पैतकर पेंटिंग के विकास हेतु इनके डिजाइन को विकसित करने, स्मारिका डिजाइन करने, इसके दस्तावेजीकरण, अध्ययन एवं अनुसंधान करने तथा शिल्पियों को प्रशिक्षण देने के लिये नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन अहमदाबाद (NID) का चयन, झारखण्ड वित्त नियमावली के नियम 235 को नियम-245 के तहत निविदा प्रक्रिया को शिथिल करते हुए मनोनयन के आधार पर करने की स्वीकृति के संबंध में।

संकल्प संख्या 1187--उद्योग विभागान्तर्गत झारखण्ड रेशम वस्त्र एवं हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड (झारक्राफ्ट) एक सरकारी उपक्रम है। इसका गठन झारखण्ड के अन्तर्गत ग्रामीण इलाकों में रेशम कार्य, हस्तशिल्प, हस्तकला एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से अवसर का सृजन कर रोजगार उत्पन्न करने के लिये किया गया है। झारक्राफ्ट झारखण्ड में उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित कर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का प्रयास करता है।

झारखण्ड के विभिन्न विद्याओं के हस्तशिल्पी/ कारीगर लंबे समय से झारक्राफ्ट संबद्ध है। इन हस्तशिल्पियों/ कारीगरों की अपनी क्षमता है तथा इनकी क्षमता के संवर्धन की आवश्यकता है।

इस संबंध में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद जो कि विभिन्न प्रकार के कलाओं के विकास में काफी संवर्धित है, से प्रस्ताव प्राप्त है। यह संस्था मुख्य रूप से कलाओं एवं कारीगरों के क्षमता संवर्धन हेतु “Integrated Design Services” का संचालन किया जा रहा है। संस्था के द्वारा कलाओं एवं हस्तशिल्पियों/ कारीगरों के क्षमता संवर्धन के तहत कलाओं के विकास हेतु जमीनी स्तर पर कई कार्य किये जा रहे हैं।

झारक्राफ्ट द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद के साथ संबद्ध होकर झारखण्ड के ढोकरा, लाह एवं पैतकर पेंटिंग के क्षेत्र में क्षमता संवर्धन में सहायता प्राप्त किया जायेगा। इसके तहत उक्त तीनों कलाओं से जुड़े हस्तशिल्पियों/ कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान कर इनकी कौशल क्षमता विकसित की जाएगी। साथ ही, NID झारक्राफ्ट को नए डिजाइन उपलब्ध कराते हुए इन डिजाइनों के माध्यम से उत्पादन में भी सहयोग करेगी। NID झारक्राफ्ट के लिये डिजाइनों की स्मारिका निर्माण भी करेगी एवं इसका समुचित दस्तावेजीकरण में भी सहयोग करेगी।

I. परियोजना का उद्देश्य:- इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करना है (Training of trainees)। इस परियोजना के अन्तर्गत झारखण्ड के लाह, ढोकरा एवं पैतकर के पेंटिंग के कारीगरों को क्षेत्र में एवं NID अहमदाबाद में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के द्वारा झारखण्ड में चयनित हस्तकला एवं हस्तशिल्प के परंपरागत एवं विशिष्ट तकनीकों को शामिल करते हुये स्मारिका आधारित सामग्रियों की नई श्रृंखला विकसित की जाएगी। NID द्वारा झारक्राफ्ट के कारीगरों की क्षमता एवं उपलब्ध संसाधनों का मूल्यांकन करते हुये गहन अनुसंधान किया जाएगा। इन मूल्यांकन के पश्चात् झारखण्ड के कला एवं शिल्पियों के आवश्यकतानुसार उनका क्षमता संवर्धन किया जाएगा।

II. प्रक्रिया:- यह प्रक्रिया निम्न रूप से 05 चरणों में की जाएगी:-

चरण-1- कला अनुसंधान अध्ययन- इस चरण में NID की टीम के द्वारा झारक्राफ्ट एवं NID के आपसी सहमति से चयन किये गये कला क्लस्टरों का भ्रमण कर सभी सामग्रियों, कलाकारों की क्षमता, दक्षता आधारभूत संरचना आदि का समुचित दस्तावेजीकरण किया जाएगा।

चरण-2- प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (Training of trainers) इस चरण में सर्वप्रथम झारखण्ड में प्रचलित कला के 10 वैसे कारीगरों का चयन किया जाएगा जो कि संबंधित कला के क्षेत्र में पारंगत हो। जिन्हें संबंधित कला की अच्छी समझ हो एवं भविष्य में अपनी क्षमता संवर्धन करते हुए कला के क्षेत्र में और निखार लाने के लिए उत्सुक हो। इन चयनित 10 कारीगरों को एक कला के क्षेत्र में NID अहमदाबाद के कैम्पस में दो सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। NID की टीम इन कारीगरों के लिये प्रशिक्षण का पूरा सत्र एवं प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सभी प्रकार की व्यवस्थायें सुनिश्चित करेंगी।

चरण-3- सभी तीनों कलाओं में अलग-अलग उत्पादों का विकास एवं विविधिकरण संबंधी कार्यशाला NID द्वारा झारखण्ड में चिन्हित उत्पादन क्लस्टर में किया जाएगा। दो सप्ताह कार्यशाला हेतु ढोकरा लाह एवं पैतकर पेंटिंग के 30 कारीगरों का चयन किया जाएगा।

चरण-4- इस चरण में पिछली चरणों में उत्पादित किये गये डिजाईनों, उत्पादों के समुचित पैकिंग हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी पैकजिंग में प्रयुक्त होने वाले सामग्री के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाएगा। ताकि नये विकसित डिजाईनों एवं उत्पादों का परिवहन के दौरान कोई क्षति न हो।

चरण-5- इस चरण में NID के द्वारा परियोजना प्रतिवेदन एवं उत्पादों का catalogue बनाया जाएगा। यह प्रतिवेदन काफी व्यापक होगा। इस प्रतिवेदन में सभी कार्यशालाओं का प्रतिफल, अपनाई गयी प्रतिक्रिया, सुझाव एवं उत्पादों के नमूनों को शामिल किया जाएगा।

- III. NID एवं झारक्राफ्ट के आपसी समन्वय से एक कला में 25-30 वैसे कारीगरों का चयन किया जाएगा जिन्हें संबंधित कला में कार्य करने का अच्छा ज्ञान एवं अनुभव हो, साथ ही, साथ उनमें कुछ नया सीखने एवं नया बनाने हेतु उत्साह हो। इन 25-30 चयनित कारीगरों में से 10 वैसे कारीगरों का चयन किया जाएगा जिन्हें कि प्रशिक्षकों का प्रशिक्षक (TOT) के रूप में प्रशिक्षित कर कौशल क्षमता का संवर्धन किया जा सके।
- IV. उक्त परियोजना के समस्त कार्यो यथा NID का शुल्क, प्रशिक्षण, कार्यशाला, भ्रमण आदि हेतु संभावित व्यय रु० 97,04,000/- है, जिसकी वहन झारक्राफ्ट को प्राप्त प्रबंधकीय अनुदान मद से किया जायेगा।
- V. विभागीय मंत्री से योजना की स्वीकृति प्राप्त कर योजना के कार्यान्वयन के संबंध में अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

उपरोक्त परियोजना हेतु झारखण्ड वित्त नियमावली के नियम 235 को नियम 245 के तहत निविदा प्रक्रिया को शिथिल करते हुए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाईन अहमदाबाद (NID) का चयन मनोनयन के आधार पर किया जाता है।

उक्त प्रस्ताव पर राज्य मंत्रिपरिषद् की दिनांक- 06.09.2024 को आयोजित बैठक में मद् संख्या-41 के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

जितेन्द्र कुमार सिंह
सरकार के सचिव।
